Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

सितम्बर (संग्रह)

2022

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए महत्त्वपूर्ण निर्णय 3
- फिट इंडिया क्विज़ में राष्ट्रीय चैंपियन बना डीपीएस राँची 4
- झारखंड की शिप्रा मिश्रा 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित 4
- झारखंड में एक-एक लाख कुओं और तालाबों का होगा निर्माण 5
- मुख्यमंत्री ने किया झारखंड खेल नीति-2022 का विमोचन 5
- एससी-एसटी और ओबीसी के लिये 77 फीसदी आरक्षण तथा स्थायी निवासी के लिये 1932 के खतियान (भूमि रिकॉर्ड) को आधार बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी 7
- झारखंड मंत्रिपरिषद के महत्त्वपूर्ण निर्णय 7
- झारखंड में खुलेगा डिजिटल व अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय 8
- राज्यपाल ने दी पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय विधेयक को मंज़ूरी 9
- नीलिमा केरकेट्टा बनीं झारखंड लोक सेवा आयोग की नई अध्यक्ष 10
- झारखंड के हर ज़िले में बनेगा 10 बेड का आयुष हॉस्पिटल 10
- बिंदु आहूजा ने जीता स्टार शिक्षक पुरस्कार 11
- कदमा जैव विविधता पार्क 11

नोट :

झारखंड

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

1 सितंबर, 2022 को झारखंड मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में झारखंड राज्य अंगुलांग सेवा (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा-शर्तों) नियमावली-2022 के गठन करने की स्वीकृति सहित कई अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिपरिषद की बैठक में झारखंड पंचायत सचिव (नियुक्ति, सेवा-शर्त एवं कर्त्तव्य) नियमावली (संशोधित), 2014 को शिथिल करते हुए ग्राम रक्षादल के दलपतियों को पंचायत सचिव पद पर नियुक्ति की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत लक्षित जन-वितरण प्रणाली के तहत राज्य के सभी 24 ज़िलों में फोर्टीफाइड चावल (Fortified Rice) वितरण करने हेतु 'Rice Fortification Scheme' लागू करने की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड राज्य के गठन (बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000) के पश्चात् झारखंड राज्य के भौगोलिक सीमा में अवस्थित चांडिल लघु जलविद्युत परियोजना (ज़िला-सरायकेला-खरसावाँ) एवं तेनु बोकारो लघु जलविद्युत परियोजना (ज़िला-बोकारो) को As is where is के आधार पर ज़ेडा द्वारा पी.पी.पी. मोड पर संचालन करने की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।
- 'मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना' के तहत प्रभावित सुपात्र व्यक्तियों की चिकित्सा हेतु विभागीय स्तर से चिकित्सा सहायता अनुदान की राशि 00 लाख रुपए को बढ़ाकर 10.00 लाख रुपए करने एवं पूर्व से स्वीकृत असाध्य रोगों की सूची में अन्य असाध्य रोगों को सूचीबद्ध करने की स्वीकृति दी गई।
- विश्व बैंक संपोषित 'झारखंड पावर सिस्टम इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट' के अंतर्गत झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड एवं झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के लिये स्वीकृत राशि को रिस्ट्रक्चर करने की स्वीकृति दी गई।
- मोटरयान (यान स्क्रेपिंग सुविधा का रजिस्ट्रेशन और कार्य) नियम, 2021 के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी गई।
- केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 में किये गए संशोधनों के आलोक में झारखंड माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 में प्रस्तावित संशोधनों से संबंधित झारखंड माल और सेवाकर (संशोधन) विधेयक, 2022 के झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में पुर:स्थापन पर मंत्रिपरिषद की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।
- भारत सरकार की योजना Revamped Distribution Sector Scheme (RDSS) हेतु पी.एफ.सी. से स्वीकृति के उपरांत29 करोड़ रुपए की संशोधित प्राक्कलित राशि की प्रशासनिक स्वीकृति तथा इस योजना के तहत पी.एफ.सी., राज्य सरकार एवं झारखंड बिजली वितरण निगम लि. के बीच त्रिपक्षीय करारनामा हस्ताक्षरित करने की स्वीकृति दी गई।
- स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्तर्गत पारामेडिकल कर्मियों (यथा-परिचारिका ग्रेड 'ए', ए.एन.एम., फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक, एक्स-रे तकनीशियन) की नियुक्ति नियमावली, 2018 में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की स्वीकृति एवं सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा अवधि विस्तार की स्वीकृति दी गई।
- रिम्स, रांची अंतर्गत चतुर्थ वर्गीय पदों पर बाह्यस्रोतीय माध्यम से सेवा प्राप्त करने की स्वीकृति दी गई।

नोट :

फिट इंडिया क्विज़ में राष्ट्रीय चैंपियन बना डीपीएस राँची

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मुंबई में आयोजित फिट इंडिया क्विज़ 2021 के पहले संस्करण के नेशनल राउंड में डीपीएस राँची 'नेशनल चैंपियन' बना। झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए डीपीएस राँची के शाकेब अरसलान और वैष्णव गरोडिया राष्ट्रीय स्तर पर विजेता बने।

प्रमुख बिंदु

- चैंपियन बनने पर विद्यालय को 25 लाख रुपए का नकद पुरस्कार मिला। वहीं, प्रतिभागियों को 2.5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विजेताओं को सम्मानित किया।
- फिट इंडिया क्विज़-2021 का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया था।
- फाइनल राउंड में डीपीएस राँची के छात्रों ने तमिलनाडु, बिहार और अरुणाचल प्रदेश की टीमों को हराया। इससे पूर्व सेमीफाइनल राउंड में पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की टीमों को पराजित किया था।
- भारत के समृद्ध खेल इतिहास के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शुरू की गई, फिट इंडिया क्विज़ में प्रारंभिक दौर में 36,299 छात्रों की भागीदारी देखी गई, जहाँ देश भर के 13,500 स्कूलों ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित एक मंच पर ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा की।
- इसमें से चयनित 360 स्कूलों ने स्टेट राउंड में भाग लिया। राज्यस्तरीय क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल राउंड की एक श्रृंखला के बाद राष्ट्रीय फाइनल में भाग लेने के लिये 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के फाइनलिस्ट की पहचान की गई है।

झारखंड की शिप्रा मिश्रा 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में झारखंड की टाटा वर्कर्स यूनियन प्लस टू उच्च विद्यालय, कदमा की शिक्षिका शिप्रा मिश्रा को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2022 से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इस वर्ष देश भर से 46 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चुना गया था, जिनमें झारखंड से एकमात्र शिक्षिका शिप्रा मिश्रा भी शामिल थीं।
- राष्ट्रपति द्वारा शिप्रा मिश्रा को सम्मानस्वरूप रजत पदक, 50 हज़ार रुपए की पुरस्कार राशि का चेक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।
- इस अवसर पर शिक्षिका शिप्रा मिश्रा द्वारा किये गए नवाचार एवं स्कूल के शैक्षणिक विकास में उनके योगदान से संबंधी एक वीडियो भी विज्ञान भवन में प्रदर्शित किया गया।
- शिप्रा मिश्रा ने इनोवेटिव, क्रिएटिव तरीके से बच्चों को पढ़ाते हुए विज्ञान जैसे कठिन विषय को बच्चों के लिये खेल का विषय बना दिया। गणित के ज्यामिती के जटिल चैप्टर को बागवानी और पेड़ों की घेराबंदी कर आसान बना दिया। यूज़्ड प्लास्टिक बोतल से स्कूल प्रांगण में स्थित बागवानी की चहारदीवारी बना दी। उनकी इसी अलग सोच, इनोवेटिव आइडिया ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया।
- विज्ञान को अलग नज़रिये से देखने और समझने वाली शिप्रा मिश्रा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का बखूबी इस्तेमाल किया। बच्चों को मोबाइल का सदुपयोग सिखाया तथा प्रकृति और विज्ञान को समायोजित करने का काम किया।
- शिप्रा मिश्रा ने बताया कि लोग स्कैन कोड, बार कोड, क्यूआर कोड का उपयोग केवल पेमेंट के लिये करते हैं, जबकि इसके व्यापक आयाम हैं। शिप्रा ने अपने स्कूल में लगे पेड़-पौधों के रहस्य को क्यूआर कोड में तब्दील कर दिया। उन्होंने सभी पेड़ों की विस्तृत जानकारी का एक क्यूआर कोड बना दिया। अब कोई भी बच्चा उस क्यूआर कोड को स्कैन करके पेड़ के बारे में पूरी जानकारी, रहस्य, गुण, प्रजाति, कहाँ पाया जाता है, जैसी संपूर्ण जानकारी हासिल कर सकता है।

नोट :

- इसी तरह उन्होंने ज्यामिती के अलग-अलग आकार, जैसे- त्रिभुज, चतुर्भुज, षटकोण, वृत्त को रोचक बनाने के लिये अलग-अलग आकृति बगान में बनवाई। उनका भी क्यूआर कोड बना दिया।
- गौरतलब है कि शिप्रा मिश्रा को इससे पहले भी कई अवार्ड मिल चुके हैं। उन्हें रोटरी क्लब की ओर से वर्ष 2017 में सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का सम्मान, इनर व्हील क्लब की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का सम्मान, वर्ष 2019 में राज्य स्तर का शिक्षक पुरस्कार तथा 2020 में एनएमएल द्वारा बेस्ट साइंस टीचर्स अवार्ड मिल चुका है

झारखंड में एक-एक लाख कुओं और तालाबों का होगा निर्माण

चर्चा में क्यों ?

12 सितंबर, 2022 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक में निर्णय लिया गया कि सूखे की स्थिति से निपटने के लिये राज्य में एक-एक लाख कुओं और तालाबों का निर्माण कराया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक समाप्त होने के बाद विभागीय मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं रोज़गार सृजन के लिये ढाई हज़ार करोड़ रुपए की योजना मनाई जाएगी।
- मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन के लिये हर गाँव में मनरेगा की 5 योजनाओं पर कार्य शुरू किया जाएगा, वहीं ग्रामीणों को 1 लाख रुपए की दुर्घटना बीमा राशि प्रदान की जाएगी।
- इसके अलावा झारखंड में लागू सर्वजन पेंशन की राशि का हर महीने की 5 तारीख तक भुगतान सुनिश्चित कराने और इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलाने का प्रयास किया जाएगा।
- आपदा प्रबंधन मंत्री ने बताया कि झारखंड में 5 लाख नए राशन कार्ड बनाए जाएंगे। इसके अलावा अनुग्रह राशि पर भी सरकार फोकस कर रही है। राज्य के गरीब किसानों का पलायन न हो, मवेशियों को पर्याप्त चारा मिले और पानी की किल्लत दूर हो, इस दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।
- बैठक में अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि इससे पहले वर्ष 2013-14, 2018-19 और 2022-23 में राज्य के विभिन्न हिस्सों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हुई है। इस तरह हर तीसरे-चौथे वर्ष में राज्य के विभिन्न हिस्सों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो रही है तथा मौसम चक्र के प्रभाव से परेशानी हो रही है।

मुख्यमंत्री ने किया झारखंड खेल नीति-2022 का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

13 सितंबर, 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रदेश की नई खेल नीति 'झारखंड खेल नीति-2022' का विमोचन किया। इस खेल नीति में खेल एवं खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर में भाग लेने के अनुरूप तैयार करने के लिये प्रावधान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड राज्य में खेले जाने वाले खेल एवं खिलाड़ियों को प्राथमिकता मिले, जिससे उनकी प्रतिभा की पहचान हो और प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर में भाग लेने के अनुरूप तैयार किया जा सके, इसको लक्ष्य बनाकर झारखंड खेल नीति-2022 का विमोचन किया गया।
- झारखंड खेल नीति-2022 की कुछ खास बातें-
- राज्य के सभी बालक, बालिका, युवा एवं सभी आयुवर्ग के नागरिकों के लिये खेल को उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना एवं समस्त गतिविधियों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने के लिये पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना।

नोट :

- प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चयनित खेल विधा में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त करना।
- प्रतिभा की पहचान कर उसे मौका देना। प्रशिक्षण देकर उनका सर्वांगीण विकास और आगे चलकर उन्हें चैंपियन बनाने की दिशा में कार्य करना।
- झारखंड खेल नीति-2022 के उद्देश्य-
- राज्य में खेलों में खिलाड़ियों का क्षमता निर्माण एवं विकास करना।
- खेल को आकर्षक एवं व्यवहार्य करियर विकल्प के रूप में तैयार करना।
- पंचायत स्तर से राज्य स्तर तक खेल को सामाजिक परिवर्तन और विकास उत्प्रेरक बनाना।
- हर उम्र के नागरिकों के लिये खेल एवं शारीरिक गतिविधियों हेतु वातावरण तैयार करना।
- खिलाड़ियों का डाटाबेस तैयार कर अंतर्राष्ट्रीय मानक के साथ संसाधन उपलब्ध कराना, देशज एवं पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन देना।
- खेल पर्यटन को बढ़ावा देना एवं दिव्यांग खिलाड़ियों को भी समान अवसर प्रदान करना।
- खेल नीति से जुड़े अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु-
- खिलाड़ियों में प्रतिभा अभिवृद्धि के लिये पंचायत, प्रखंड, ज़िला और राज्य स्तर पर कार्य करने की योजना।
- खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति देने की योजना।
- खिलाड़ियों हेतु इन्श्योरेंस की सुविधा।
- पूर्व खिलाड़ियों को पेंशन योजना का लाभ।
- राज्य के हर ब्लॉक में उच्चकोटि के खेल मैदानों का विकास।
- योजनाबद्ध तरीके से राज्य के खिलाड़ियों के लिये डे-बोर्डिंग, क्रीड़ा किसलय केंद्र, आवासीय खेल विकास केंद्र, एकलव्य खेल अकादमी का विकास करना।
- राज्य के सभी खिलाड़ियों के लिये देश का पहला खेल डिजिटल डाटाबेस तैयार करना।
- खेल विश्वविद्यालय की स्थापना करना।
- खिलाड़ियों को नौकरी और शिक्षण संस्थान में आरक्षण।
- झारखंड के खिलाड़ियों को राज्य स्तर की द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी नौकरी में सीधी भर्ती।
- खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों हेतु सम्मान राशि।
- ग्रामीण खेल केंद्र, खेल अकादमी, खेल विश्वविद्यालय, खेल विज्ञान, खेल प्रतिभाखोज, खेल संरचना विकास, प्रशिक्षक विकास, फिजिकल फिटनेस प्रोग्राम, खेल ब्रांडिंग एवं पारदर्शिता के संबंध में भी खेल नीति 2022 में प्रावधान किया गया है।
- सर्वश्रेष्ठ पीएचई, पीटी शिक्षक एवं ज़मीनी स्तर के कोच के लिये पुरस्कार, पीटी शिक्षक एवं ज़मीनी स्तर के प्रशिक्षकों के लिये राज्य प्रतिभा पूल बनाना।
- खेल गतिविधियों और कम्युनिकेशन कौशल के संबंधित पीपीपी एवं प्रायोजकों को आकर्षित करना।
- फुटबॉल, हॉकी, आदि के लिये झारखंड प्रीमियर लीग का आयोजन, ग्रामीणस्तरीय खेल, पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना।
- डोपिंगमुक्त खेल की दुनिया को सुनिश्चित करने के लिये झारखंड में नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड ऑफ इंडिया की तरह कानूनों को लागू करना।
- खेल विभाग उन संगठनों को भागीदार बनाने का कार्य करेगा, जो झारखंड में स्कूली बच्चों के स्पोर्ट्स डेवलपमेंट हेतु इच्छुक हैं।
- फुटबॉल, तीरंदाज़ी और एथलेटिक्स में रोडमैप के लिये विशेष पहल एवं राज्य में खेल वातावरण को बढ़ावा देने हेतु स्टेट स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फंड का निर्माण होगा।

नोट :

एससी-एसटी और ओबीसी के लिये 77 फीसदी आरक्षण तथा स्थायी निवासी के लिये 1932 के खतियान (भूमि रिकॉर्ड) को आधार बनाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

14 सितंबर, 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य सरकार की नौकरियों में एससी, एसटी, पिछड़ा वर्ग, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के सदस्यों के लिये 77 प्रतिशत आरक्षण देने तथा 'स्थानीयता की नीति 1932 के खतियान के आधार पर तय करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिमंडल सचिव वंदना डाडेल ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मंत्रिमंडल ने एससी, एसटी, पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये 77 प्रतिशत आरक्षण हेतु राज्य की सरकारी सेवाओं में रिक्तियों के आरक्षण अधिनियम, 2001 में संशोधन के लिये आरक्षण विधेयक को मंज़ूरी दे दी है।
- मंत्रिमंडल ने 'स्थानीयता'की नीति 1932 के खतियान के आधार पर तय करने और पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने समेत विभिन्न वर्गों के लिये कुल 77 प्रतिशत सरकारी नौकरियाँ आरक्षित करने हेतु अलग-अलग विधेयक राज्य विधानसभा में पेश किये जाने की स्वीकृति प्रदान की है।
- मंत्रिमंडल ने दोनों विधेयकों को विधानसभा से पारित कराने और राज्यपाल की स्वीकृति के बाद केंद्र सरकार के पास भेजने का भी निर्णय लिया।
- डाडेल ने बताया कि मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार से यह अनुरोध करने का निर्णय लिया कि वह इन दोनों कानूनों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करें, जिससे इन्हें देश की किसी अदालत में चुनौती न दी जा सके।
- 'स्थानीयता' की नीति में संशोधन के लिये लाए जाने वाले नए विधेयक का नाम 'झारखंड के स्थानीय निवासी की परिभाषा एवं पहचान हेतु झारखंड के स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा एवं परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिये विधेयक 2022' होगा।
- वंदना डाडेल ने बताया कि इस विधेयक के माध्यम से राज्य में स्थानीय लोगों को परिभाषित किया जायेगा और मंत्रिमंडलीय फैसले के अनुसार अब राज्य में 1932 के खतियान में जिसका अथवा जिसके पूर्वजों का नाम दर्ज होगा, उन्हें ही यहाँ का स्थानीय निवासी माना जाएगा। जिनके पास अपनी भूमि या संपत्ति नहीं होगी, उन्हें 1932 से पहले का राज्य का निवासी होने का प्रमाण अपनी ग्रामसभा से प्राप्त करना होगा।
- प्रस्तावित नौकरी आरक्षण नीति में, अनुसूचित जातियों के लिये राज्य की नौकरियों में आरक्षण 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत, अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की व्यवस्था होगी। पिछड़े वर्गों में अत्यंत पिछड़ों के लिये 15 प्रतिशत और पिछड़ों के लिये 12 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था किये जाने का निर्णय लिया गया है।
- सरकार के फैसले पर अमल होने के साथ राज्य में ओबीसी, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) का कुल आरक्षण 77 प्रतिशत हो जाएगा।
- मंत्रिमंडल ने इस प्रस्तावित विधेयक के माध्यम से राज्य में आर्थिक रूप से कमज़ोर सामान्य वर्ग के लिये भी दस प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने का फैसला लिया है।

झारखंड मंत्रिपरिषद के महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

14 सितंबर, 2022 को झारखंड मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में झारखंड इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति-2022 के गठन की स्वीकृति के साथ ही कई अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- राज्य में कम वर्षापात एवं कम फसल आच्छादन को दृष्टिपथ में रखते हुए राज्य में आकस्मिक एवं रबी फसलों के विस्तार हेतु कृषकों को आकस्मिक एवं रबी 2022-23 की फसलों हेतु 90% अनुदान पर बीज उपलब्ध कराए जाने की स्वीकृति दी गई।
- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का मॉडल अधिनियम प्रारूप के अनुसार कृषि उपज एवं पशुधन विपणन (संवर्धन एवं सुविधा) अधिनियम प्रारूप, 2017 को कतिपय संशोधन के साथ अंगीकृत करते हुए संशोधित झारखंड राज्य कृषि उपज एवं पशुधन विपणन (संवर्धन एवं सुविधा) विधेयक, 2022 की स्वीकृति दी गई।
- राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों एवं लघु आंगनबाड़ी केंद्रों में ताजा गरम पोषाहार पकाकर लाभुकों को उपलब्ध कराने हेतु राज्य योजनांतर्गत गैस सिलिंडर एवं कुकिंग स्टोव की आपूर्ति की योजना में LPG संयोजन तथा LPG सिलिंडर की दर में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- भारतीय मुद्रांक अधिनियम, 1899 की अनुसूची 1 'क' में संशोधन करने तथा बिहार मनोरंजन ड्यूटी कोर्टफी तथा मुद्रांक (अधिभार संशोधन) अधिनियम, 1948 की धारा-5 को निरस्त करने के संबंध में पूर्व में प्रस्तुत झारखंड वित्त विधेयक, 2021 पर राज्यपाल महोदय की आपत्ति के उपरांत वापस लेते हुए झारखंड वित्त विधेयक, 2022 पर सहमति की स्वीकृति दी गई।
- केंद्रीय योजना/राज्य योजना के अंतर्गत 'मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना' के संचालन/क्रियान्वयन में हो रही कठिनाइयों के आलोक में आवश्यक संशोधन प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई।
- राज्य में नई शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन हेतु उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत वित्तीय नियमावली के नियम 245 के तहत NICSI के Empanelled Agency 'Pricewaterhouse Coopers Private Limited' का मनोनयन के आधार पर चयन कर PMU (Project Management Unit) गठन करने की स्वीकृति दी गई।
- डॉ. मेरी नीलिमा केरकेटा (भा.प्र.से. सेवानिवृत्त) को झारखंड लोक सेवा आयोग, राँची में अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किये जाने की स्वीकृति दी गई।
- प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मध्याह्न भोजन योजना) के अंतर्गत विद्यालयों में अध्ययनरत् बच्चों को पूरक पोषाहार के रूप में सप्ताह में पाँच दिन अंडा/फल अथवा दूध उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई।
- राज्य के न्यायिक पदाधिकारियों का द्वितीय राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग (SNJPC) द्वारा की गई अनुशंसा के आलोक में वेतन पुनरीक्षण की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण अधिनियम, 2001 (यथा संशोधित) में संशोधन हेतु विधेयक, 2022 की स्वीकृति दी गई।
- आँगनबाड़ी केंद्रों में उपस्थित होने वाले 03-06 वर्ष के बच्चों को गर्मपोशाक (Winter Uniform) उपलब्ध कराने हेतु राज्य योजनांतर्गत आँगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को पोशाक की आपूर्ति योजना के कार्यान्वयन की स्वीकृति दी गई।
- प्रस्तावित अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय (निजी विश्वविद्यालय), राँची की स्थापना हेतु 120-150 एकड़ भूमि 99 वर्ष के दीर्घकालिक लीज़ पर उपलब्ध कराने हेतु Azim Premji Foundation एवं राज्य सरकार के मध्य MoU की स्वीकृति दी गई।
- 'झारखंड के स्थानीय निवासी' की परिभाषा एवं पहचान हेतु झारखंड के स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिये विधेयक, 2022 के गठन की स्वीकृति दी गई।

झारखंड में खुलेगा डिजिटल व अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों ?

19 सितंबर, 2022 को राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधानसभा से मानसून सत्र में पारित कौशल विद्या उद्यमिता, डिजिटल एवं स्किल विश्वविद्यालय विधेयक, 2022 और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय विधेयक, 2022 को मंज़ूरी प्रदान कर दी।

प्रमुख बिंदु

- कौशल विद्या उद्यमिता, डिजिटल एवं स्किल विश्वविद्यालय राज्य सरकार और प्रेझा फाउंडेशन (पैन आइटी एलुमुनी रिच फॉर झारखंड फाउंडेशन) के सहयोग से चलेगा। इसका मुख्यालय खूंटी में होगा।

नोट :

- इस विश्वविद्यालय से शुरुआत में आठ पॉलिटेक्निक संस्थानों को जोड़ा जाएगा। यहाँ से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर आदि अन्य शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलेंगे।
- निजी विश्वविद्यालय के रूप में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय का मुख्यालय राँची में होगा। राज्य सरकार इटकी में ज़मीन उपलब्ध करा रही है। इस विवि से इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट आदि व्यावसायिक कोर्स शुरू होंगे।
- डिजिटल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राज्यपाल होंगे, जबकि विश्वविद्यालय में अध्यक्ष ही प्रमुख होंगे। इनकी नियुक्ति तीन वर्ष के लिये नोडल एजेंसी द्वारा चयन समिति की अनुशंसा पर होगी। कुलपति की नियुक्ति तीन वर्ष के लिये अध्यक्ष द्वारा चयन समिति की अनुशंसा पर होगी, जबकि अन्य विश्वविद्यालय में राज्यपाल सह कुलाधिपति द्वारा कुलपति की नियुक्ति की जाती है। इसके अलावा विश्वविद्यालय में कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, मुख्य वित्त और लेखा पदाधिकारी, डीन आदि की नियुक्ति होगी।
- अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय झारखंड का 16वाँ निजी विश्वविद्यालय होगा। इसमें पाँच प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के छात्रों के लिये, जबकि 25 फीसदी सीटें झारखंड के विद्यार्थियों के लिये आरक्षित रहेंगी, विश्वविद्यालय को राज्य सरकार या केंद्र सरकार से कोई सहायता अनुदान या अन्य वित्तीय सहायता नहीं मिलेगी। वीसी, प्रोवीसी, रजिस्ट्रार, शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।
- डिजिटल विवि का उद्देश्य-
- उद्यमिता में सीधे प्रवेश करने या स्टार्टअप के इच्छुक छात्रों को करियर-उन्मुख शिक्षा और कौशल प्रदान करना।
- ऑनलाइन शिक्षा व अन्य माध्यमों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के ज़रिये छात्रों को जीवन भर प्रशिक्षण का अवसर देना।
- योग्यता आधारित कौशल और व्यावसायिक शिक्षा के लिये एक विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली तैयार करना।
- बाज़ार और उद्योग के अनुरूप व्यावहारिक, पेशेवर व कौशल आधारित प्रशिक्षण केंद्रित अध्यापन प्रदान करना।

राज्यपाल ने दी पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय विधेयक को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

20 सितंबर, 2022 को राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधानसभा से पारित पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय विधेयक, 2022 पर स्वीकृति प्रदान कर दी।

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल के पास यह विधेयक दूसरी बार भेजा गया था। इससे पूर्व इस विधेयक के हिन्दी और अंग्रेज़ी संस्करण में त्रुटि रहने के कारण राज्यपाल ने वापस लौटा दिया था। इसके बाद सुधार करते हुए विधानसभा के मानसून सत्र में इसे पारित कराकर दोबारा राज्यपाल के पास भेजा गया था।
- पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय का मुख्यालय जमशेदपुर होगा और क्षेत्राधिकार संपूर्ण झारखंड में रहेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सर्च कमेटी की अनुशंसा पर राज्यपाल करेंगे।
- विश्वविद्यालय के निर्माण का उद्देश्य जनजातीय भाषा और आदिवासी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को सहेजना, उन पर शोध करना तथा आदिवासी समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है।
- जनजातीय विश्वविद्यालय सभी वर्गों, जातियों और पंथों के लिये खुला रहेगा। ज़रूरत के हिसाब से किसी भी ज़िले में रीजनल सेंटर खोला जा सकेगा। विश्वविद्यालय में 10 संकाय में छात्र शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
- इस विश्वविद्यालय के खुलने से झारखंड के साथ-साथ पश्चिम बंगाल और ओडिशा के छात्रों को भी लाभ मिलेगा। इस विश्वविद्यालय का निर्माण जमशेदपुर के गालूडीह और घाटशिला के बीच करने की योजना है।

नोट :

नीलिमा केरकेट्टा बनीं झारखंड लोक सेवा आयोग की नई अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

22 सितंबर, 2022 को भारतीय प्रशासनिक सेवा की सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. मेरी नीलिमा केरकेट्टा झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की अध्यक्ष बनाई गई हैं। राज्यपाल रमेश बैस की स्वीकृति के बाद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने उन्हें अध्यक्ष पद पर नियुक्त करते हुए अधिसूचना जारी की।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि जेपीएससी अध्यक्ष पद अमिताभ चौधरी के 5 जुलाई, 2022 को 62 वर्ष पूरा होने के बाद से खाली था। अध्यक्ष नहीं रहने से आयोग में कई नियुक्तियाँ, इंटरव्यू, प्रोन्नति आदि कार्य ठप हैं।
- डॉ. नीलिमा पदभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम 62 वर्ष की आयु तक अध्यक्ष पद पर रहेंगी। इस तरह वह अगस्त 2024 तक इस पद पर रह सकेंगी।
- डॉ. नीलिमा महाराष्ट्र कैडर की 1994 बैच की आइएएस अधिकारी रही हैं। वर्ष 2008 से 2013 तक झारखंड में कई पदों पर रहीं और स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुईं।
- गुमला ज़िला स्थित करनी गाँव की रहनेवाली डॉ. केरकेट्टा ने उर्सूलाइन कॉन्वेंट गर्ल्स हाईस्कूल राँची से मैट्रिक, बीएयू से स्नातक, आइसीएआर, नई दिल्ली से एमएससी व पीएचडी की डिग्री हासिल की थी। इनके पिता डॉ. आर केरकेटो बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति रहे हैं।

झारखंड के हर ज़िले में बनेगा 10 बेड का आयुष हॉस्पिटल

चर्चा में क्यों ?

22 सितंबर, 2022 को झारखंड आयुष विभाग के निदेशक ने सभी ज़िला आयुष पदाधिकारियों को पत्र भेजकर सभी ज़िलों में 10-10 बेड वाला आयुष हॉस्पिटल का निर्माण करने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु

- एलोपैथी चिकित्सा पद्धति (Allopathic System of Medicine) की तर्ज़ पर राज्य में अब आयुर्वेद के सहारे मरीज़ों का इलाज होगा। इसके लिये इनडोर आयुर्वेद हॉस्पिटल (Indoor Ayurveda Hospital) का निर्माण होगा।
- 10-10 बेड के अस्पताल राज्य के सभी 24 ज़िले में बनेंगे। फिलहाल इस हॉस्पिटल में 10 बेड की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे मरीज़ों को इलाज की सुविधा मिलेगी। कुल 25 डिसमिल ज़मीन पर आयुष अस्पताल का निर्माण किया जाएगा।
- इस संबंध में आयुष विभाग के निदेशक ने सभी ज़िला आयुष पदाधिकारियों को पत्र भेजकर इस पर अमल करने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि देसी चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और मरीज़ों को देश की प्राचीन चिकित्सा पद्धति से लाभ दिलाने के लिये ज़रूरतमंद मरीज़ को आयुष अस्पताल में भर्ती कराकर आयुष चिकित्सा पद्धति से नो साइड इफेक्ट वाला इलाज किया जाएगा।
- आयुष चिकित्सा के लिये अब तक आउटडोर सुविधा रही है। 10 बेड वाले आयुष अस्पताल उपलब्ध हो जाने के बाद अब मरीज़ों को इंडोर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराते हुए अस्पताल में भर्ती कर आयुष चिकित्सा पद्धति से इलाज कराया जा सकेगा।
- गौरतलब है कि कोरोना काल सहित आए दिन पनप रहे विभिन्न रोगों को देखते हुए जननी भारत वर्ष सहित लगभग पूरे विश्व का झुकाव आयुष, विशेषकर प्राकृतिक चिकित्सा आयुर्वेद की ओर हुआ है, जिसमें आयुष चिकित्सा की तीनों विंग आयुर्वेदिक चिकित्सा, होम्योपैथिक चिकित्सा और यूनानी चिकित्सा पद्धति को नो साइड इफेक्ट वाला बताया गया है।

नोट :

बिंदु आहूजा ने जीता स्टार शिक्षक पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

25 सितंबर, 2022 को आयोजित एक वर्चुअल समारोह में जमशेदपुर के मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के सहायक शिक्षक और उत्कृष्टता समन्वयक बिंदु आहूजा को लर्निंग मैटर्स द्वारा 'द स्टार एजुकेटर अवाड्र्स 2022-चैंपियन ऑफ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन'से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- बिंदु आहूजा को माइक्रोसॉफ्ट द्वारा माइक्रोसॉफ्ट इनोवेटर अवार्ड, कोलिन्स पब्लिशर्स द्वारा आउट ऑफ बॉक्स थिंकर प्रशस्ति और 2022 में मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल द्वारा 'एजुकेटर अवार्ड'भी मिल चुका है।
- कोरोना महामारी के दौरान बिंदु आहूजा ने शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों को डिजिटल रूप से स्वस्थ बनाने के लिये पहल की। प्रधानाचार्य आशु तिवारी के मार्गदर्शन में उन्होंने महामारी के दौरान हाई-टेक फ्यूचर किड्स ग्रुप की शुरुआत की थी, जो अब भी हर रविवार को मुफ्त में चलता है। यह शिक्षक सलाहकार छात्रों को तकनीक-प्रेमी बनाता है। वह छात्रों को फ्लिप टीचिंग_लर्निंग के लिये तैयार करती हैं।
- इन्होंने एमएनपीएस में कई परियोजनाएँ शुरू की थीं और टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता में उनकी एक परियोजना 'ई-सेंट्रलाइज्ड लेसन प्लानिंग' को 'सर्वश्रेष्ठ अभ्यास'के रूप में मान्यता दी गई थी।
- हाई-टेक समूह के साथ बिंदु आहूजा उन्नत सामग्री के साथ एक मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म प्रदान करती हैं और छात्रों को इमर्सिव तकनीक में प्रशिक्षित करती हैं, जो उन्हें व्यक्तिगत और प्रभावशाली विकास प्रदान करेगी।
- उल्लेखनीय है कि स्टार एजुकेटर अवार्ड लर्निंग मैटर्स की ओर से ऐसे उत्कृष्ट शिक्षकों, शैक्षिक नेताओं और नागरिकों को पहचानने और सम्मानित करने का एक प्रयास है, जिन्होंने शिक्षा के लिये असाधारण समर्पण, प्रतिबद्धता और जुनून दिखाया है।
- 11 श्रेणियाँ थीं, जिनके लिये भारत, श्रीलंका, मलेशिया और फिलीपींस के विभिन्न शिक्षकों और स्कूलों ने आवेदन किया था। इन पुरस्कारों का उद्देश्य उन शिक्षकों के असाधारण काम को उजागर करना है, जो असाधारण रूप से रचनात्मक हैं, डिजिटल परिवर्तन के चैंपियन हैं और समुदाय को प्रभावित करते हैं।

कदमा जैव विविधता पार्क

चर्चा में क्यों ?

27 सितंबर, 2022 को टाटा स्टील ने जमशेदपुर में कदमा जैव विविधता पार्क का उद्घाटन किया। यह जमशेदपुर के आसपास ग्रीन ज़ोन को बढ़ाएगा।

प्रमुख बिंदु

- यह पार्क 13.5 एकड़ में फैला हुआ है जहाँ 5650 पेड़ और 4650 झाड़ियाँ लगाई गई हैं, जो मौजूदा 300 पेड़ों के अतिरिक्त है। पार्क में 2.3 किमी. पैदल चलने का मार्ग, एक योग और ध्यान क्षेत्र, पक्षी देखने के क्षेत्र, वर्षा जल संचयन तालाब, लिली तालाब, तितली क्षेत्र और फल और बाँस के बगीचे हैं।
- पार्क में पेड़ों की देशी प्रजातियों के कई समूह हैं। इसमें पक्षी और गिलहरी के घोंसले, गहरे वन क्षेत्र, घास के मैदान और पार्क में पाए जाने वाले जीवों और वनस्पतियों की जानकारी प्रदान करने के लिये एक सूचना केंद्र भी है।
- उल्लेखनीय है कि 2016 में टाटा स्टील ने एक जैव विविधता नीति शुरू की जिसका उद्देश्य 'जैव विविधता का कोई शुद्ध नुकसान नहीं'है, जो भारतीय उद्योग में पहली ऐसी प्रतिबद्धता है। हाल के वर्षों में इस दिशा में कई पहल की गई हैं जैसे दलमा व्यू तालाब, सीआरएम बड़ा तालाब, गोलमुरी तालाब, जुगसलाई मक डंप, आईएसडब्ल्यूपी तालाब, आदि का विकास।

नोट :